A **(Printed Pages 3)**

Roll No. _____

A-260

बी. ए. (द्वितीय वर्ष) परीक्षा, 2015

ज्योतिर्विज्ञान

द्वितीय प्रश्न-पत्र

(जन्मपत्रिका निर्माण तथा होरा ज्योतिष)

समय : तीन घण्टे *पूर्णांक : 50*

निर्देश : कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **प्रथम प्रश्न अनिवार्य** है ।

प्रत्येक वर्ग से **एक** प्रश्न करना आवश्यक है।

1. निम्नलिखित लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2×10=20

(क) पाप ग्रहों के नाम लिखिए?

(ख) मेष राशि के दो अन्य नामों का उल्लेख कीजिए?

(ग) मिथुन राशि की कौन सी दिशा है? स्पष्ट कीजिए?

(घ) 'कार्य सिद्धि योग' पर सङ्क्षेप में प्रकाश डालिए?

(ङ) शुक्र तथा शनि ग्रह किस वर्ण के हैं? बताइए।

(च) चन्द्रमा मध्यबली कब होता है? स्पष्ट कीजिए?

P.T.O.

(छ) गुरू एवं शुक्र ग्रह की महादशा कितने वर्ष होती है? स्पष्ट कीजिए।

(ज) किन राशियों में होने पर मङ्गल तेजस्वी माना जाता है?

(झ) युगपर्यन्तायु योग को स्पष्ट कीजिए।

(ञ) किसी एक बालारिष्ट योग को बताइए।

प्रथम वर्ग

2. ग्रहों की दृष्टि से आप क्या समझते हैं? यह कितने प्रकार की होती है? स्पष्ट कीजिए। 7½

3. ग्रहों की उच्च नीच राशियाँ कौन-कौन सी हैं? विशद विवेचन कीजिए। 7½

द्वितीय वर्ग

4. विंशोत्तरी दशा साधन की विधि स्वकल्पित उदाहरण के द्वारा स्पष्ट कीजिए। 7½

5. जन्म कुण्डली चक्र से सोदाहरण जन्म करण का ज्ञान तथा जन्म योग का ज्ञान स्पष्ट कीजिए। 7½

तृतीय वर्ग

6. अधोलिखित श्लोक की व्याख्या कीजिए : 7½

अलिमीनकुलीराख्या जलात्मका जलचराश्च विज्ञेयाः।
तौलिवृषयुगघटकन्या जलाश्रितास्तत्प्रदेशनिरताः स्युः।।
स्थलराशयस्तु शेषाः सिंहो गिरिगह्वरप्रदेशस्थः।
शानुप्रदेशनिरतो मेषो नगराश्रितस्तुलाधारी।।

7. 'शुकजातकम् के अनुसार राशियों के स्वरूप का विशद वर्णन कीजिए। 7½

चतुर्थ वर्ग

8. अधोलिखित श्लोक की विशद व्याख्या कीजिए। 7½

मन्दांशकस्था रविजीवभौमा
धर्माश्रिताः कर्मयुता बलाढ्याः।
राश्यवसाने हिमगौर्विलग्ने
युगान्तमायुः श्रियमादधाति।।

9. 'शुकजातकम्' के अनुसार 'अमितायुर्योग' को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। 7½